जय जय महाश्रमण

नारीलोक

अध्यक्षीय कार्यालय :
श्रीमती कुमुद कच्छारा
अम्हेर ज्वेलरी, ऑफिस नं. 6
लक्ष्मी भुवन, आनन्दजी लेन
रसिकलाल ज्वेलर्स के सामने
एम.जी. रोड़, घाटकोपर (ई)
मुम्बई – 77
मो. : 9833237907
e-mail : kumud.abtmm@gmail.com

अंक 243 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | सितम्बर 2018

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

क्षमा रूपी अमृत का करे रसपान, मिटे कलुषता हो आत्मोत्थान

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र !

मनुष्य का जीवन एक सागर है। उसमें अमृत भी है, जहर भी है और भी बहुत कुछ है। जब–जब इस सागर को व्यवहार की मथनी से मथा जाता है, भीतर के तत्व उभरकर बाहर आते हैं। जब उसके अन्दर का जहर पूंजीभूत होकर बाहर आता है, तब मनुष्य जहरीले जंतुओं से भी अधिक मारक बन जाता है। उसका मन, वाणी और शारीरिक चेष्टाएं विष बुझे बाणों की तरह किसी का सर्वस्व हरण कर लेते हैं। इसी बात को लक्ष्य में रखकर भगवान ने जीवन को अमृतमय बनाने का निर्देश दिया है। क्षमा भी एक अमृत है। यह जिसके पास होता है वह कटुता के जहर को धोकर स्वयं अमृत बन जाता है। जैन धर्म में क्षमा का गौरव पूरी गुरुता के साथ उद्‌गीत हुआ है। धर्म के चार दरवाजों में पहला द्वार क्षमा का है। दस प्रकार के श्रमण धर्मों में पहला धर्म क्षमा है। क्षमा जीवन का ओज है, जीवन का तेज है। क्षमा ही ब्रह्म है, सत्य है। क्षमा ही तपस्वियों का रूप है। इसलिए क्षमा का जीवन में विकास अपेक्षित है। बहनों, क्षमा का पर्व व्यक्ति को भीतर से हल्का बनाने वाला है। क्षमा पर्व मनाने की सार्थकता तब होती है जब इसमें संबंधों की एवं उम्र की सीमाएं टूट जाये, जीवन में भरा हुआ राग और द्वेष का लावा पिघलकर बह जाये और जीवन की धरती पर मैत्री और समता की पौध लहलहाने लगे। वास्तव में यदि ऐसा होता है तब व्यक्ति को अनुभव होता है कि ''मेत्ति मे सव्वभूएसु वेरं मज्झ न केणई''। यह सब बाते पढ़ने सुनने में जितनी अच्छी लगती है, आसान लगती है उतनी ही व्यावहारिक धरातल पर जीवन में उतारने के लिए कठिन है। चूंकि हमारे शरीर के किसी भी अवयव में छोटी सी ग्रंथि भी हो जाती है तो हम देश–विदेश के सुप्रसिद्ध चिकित्सकों का संपर्क कर तन–मन–धन से उसके उपचार में जुट जाते हैं। मगर वैर–विरोध की ग्रंथियों का उपचार बिना किसी खर्च की औषधि ''क्षमा'' से किया जा सकता है उसे करने से हम कतराते हैं। बहनों, आखिर जीवन की असली पूंजी होती है शांति, जीवन की सबसे बड़ी दौलत है सुख और जीवन का सर्वश्रेष्ठ श्रृंगार है ''क्षमा''। महाकवि क्षेमेन्द्र ने कहा है –

नरस्य भूषणं रूपं, रूपस्या भूषणं गुणः।
गुणस्य भूषणं ज्ञानं, ज्ञानस्य भूषणं क्षमा।।

मनुष्य की शोभा रूप से है, रूप की शोभा गुण से है। यदि रूप है और गुण नहीं है तो ''रूप रूडो गुण वायरो रोहीड़ा रो फूल'' वाली बात है। अर्थात् रूप की विशेषता गुण से है। गुण की शोभा ज्ञान से है और ज्ञान की शोभा क्षमा से है। मनुष्य में रूप है, गुण है, ज्ञान है मगर क्षमा नहीं है तो मानो बिना नमक का भोजन है। इसलिए क्षमा जीवन में सबसे बड़ा गुण है। सब गुणों का भूषण है। और यही जीवन की असली पहचान है।

बहनों, हम बचपन से सुनते आये हैं कि क्षमायाचना नहीं करने पर हमारा सम्यक्त्व चला जाता है। और यह भी जानते हैं कि सम्यकत्व प्राप्ति के बाद ही आत्मा का ऊर्ध्वारोहण प्रारंभ होता है। अतः सम्यक्त्व की सुरक्षा के लिए हमें हर पल

अध्यक्षीय

जागरूक रहना चाहिए। इस बार एक छोटा सा प्रयोग अवश्य करें कि जिस किसी भी व्यक्ति के साथ हमारा मन-मुटाव है तो उसके साथ शुद्ध अंतःकरण से क्षमायाचना कर लें। क्योंकि क्षमायाचना आत्मऋजुता का ज्वलंत प्रतीक है। यह वर्तमान जीवन व्यवहार में एक उच्च मनोवैज्ञानिक प्रयोग है। क्षमा मांगना हमारी कमजोरी नहीं, विनयशीलता का प्रतीक है। क्षमा देना हमारा बडप्पन नहीं, उदारता का प्रतीक है। क्षमा ही वैर का विसर्जन और मैत्री का महोत्सव है।

सांवत्सरिक प्रतिक्रमण के समय एक वर्ष के लिए किसी एक चीज का प्रत्याख्यान किया जाता है और उसमें प्रायः हम खाने पीने की वस्तु का त्याग करते हैं। इस वर्ष बहनों एक नया प्रयोग करने का प्रयास करें कि एक वर्ष के लिए हम कुछ ऐसे संकल्प करें जिससे हमारे भीतर में क्षमा के भाव पुष्ट होते रहे जैसे कि -

- राग द्वेष को कम करने का संकल्प
- कषायों को उपशांत करने का संकल्प
- सम्यक्त्व की सुरक्षा का संकल्प
- इन्द्रिय संयम की साधना का संकल्प

क्षमा के इस महान पर्व पर क्षमा के महासागर वीतराग मूर्ति परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी के प्रति हृदय की अनन्त गहराई से सम्पूर्ण महिला समाज की ओर से करबद्ध क्षमायाचना। ममता की प्रतिमूर्ति असाधारण साध्वीप्रमुखाश्रीजी के प्रति अंतर्मन से क्षमायाचना। चतुर्विध धर्मसंघ के प्रति विनयभाव से क्षमायाचना।

आपकी अपनी

कुमुद कच्छारा

श्रद्धानत समर्पण ! अर्पण !!

उत्सवों की लेकर कतार, सज गया है भाद्रव माह का दरबार।
पर्वाधिराज संग जुड़ा है आचार्यों से इस माह का पूरा-पूरा तार।।
जयाचार्य निर्वाण दिन पर, श्रीमद् जय को श्रद्धा से नमन।
भीतर का कल्मष धोने, पर्युषण है सुरसरिता का अवतरण।।
साधना की पगदंडियों से करें ऊँचा आरोहण।
हौले-हौले हो जायेगा, पापों का प्रक्षालन।।
षष्ठी को करे श्रीमद् कालू का पुण्य स्मरण।
श्रद्धेय डालिम और भिक्षु चरमोत्सव पर, आस्था का अर्घ्य करे अर्पण।।
विकास पुरुष तुलसी की विकास यात्रा का पुनीत उत्सव।
श्री महाप्रज्ञ का उपहार है विकास महोत्सव।।
अनंत है उपकार जिनका इस शासन में
किया है प्रवचनामृत का जिन्होंने वर्षण,
उन पावन चरणों में अ.भा.ते.म.मं. का
श्रद्धानत समर्पण !! अर्पण !!

ऊर्जावाणी

मानव स्वभाव ऐसा है कि प्रमाद से या विचार-मतभेद से लोगों में आपस में मनमुटाव हो जाता है। यह मनमुटाव मिटाने के लिए खमतखामणा का मार्ग निर्दिष्ट है। आपस में हिल-मिलकर क्षमा मांगना और क्षमा देना यह खमतखामणा है। कुछ लोग खमतखामणा तो करते हैं पर उसका क्षेत्र बहुत सीमित रखते हैं। यानि वे अपने पारिवारिक जनों और मित्रों से खमतखामणा कर अपना कार्य पूरा कर लेते हैं, पर खमतखामणा बहुत व्यापक तत्व है। उसका व्यवहार सबके साथ होना चाहिए। चाहे फिर वह पास-पड़ोसी हो, व्यापारी हो, मुनीम हो, नौकर हो या अन्य कोई व्यक्ति हो, सबके साथ खमतखामणा करनी चाहिए। अपने विरोधियों से भी विशेष रूप से करें, सलक्ष्य करे।

-आचार्य श्री तुलसी

खमत खामणा मैत्री का प्रयोग है। शत्रुता की भावना से ग्रंथि बन जाती है। मैत्री की भावना से ग्रंथि खुल जाती है। शत्रुता की भावना सामने वालों का नुकसान करे या ना करे, स्वयं का नुकसान अवश्य कर देती है। मैत्री की भावना अध्यात्म का एक प्रयोग है। जो व्यक्ति मैत्री को अपनाता है, उसकी बिमारियां मिट जाती है। कुंठित ग्रंथियां समाप्त हो जाती है। शारीरिक एवं मानसिक शांति का लाभ होता है। इस सूत्र को याद रखें - मित्ती में सव्वभूएसु, यह अध्यात्म का सूत्र है - स्वास्थ्य का सूत्र है। इसका प्रयोग करने वाला शांति के साथ जी सकता है।

-आचार्य श्री महाप्रज्ञ

मानव जीवन सबसे अनमोल है। इसे व्यर्थ में जाने देना सबसे बड़ी भूल है। इसलिए हर पल हमें जीवन को सार्थक बनाने के प्रयास में लगे रहना चाहिए। यह मैत्री पर्व मानव धर्म की दुर्लभ विशेषताओं में से एक है। क्योंकि यह पर्व हमारी ग्रन्थियों को खोलने की सीख देता है। क्षमा मांगने वाला अपनी भूलों को स्वीकृति देता है और भविष्य में पुनः न दुहराने का संकल्प लेता है, जबकि क्षमा करने वाला बिना किसी पूर्वाग्रह या निमित्तों को सह लेता है, इसीलिए क्षमापना को हमारे जीवन का सबसे बड़ा पर्व यानि महापर्व माना गया है।

-आचार्य श्री महाश्रमण

समता की छैनी ले कर में, नफरत के विन्ध्यांचल तोड़े।
अक्षय भाव बढ़े मैत्री का, टूटे बिखरे रिश्ते जोड़े।।
जागे महज अनुताप आज ही, कलुषभाव जो मन में आया।
अगर किसी के समजीवन में, प्रेम से कंटक जाल बिछाया।।
हर प्रमाद को पीठ दिखाकर, आज स्वयं अपना पथ मोड़े।
क्रोध अजन जो खुले हृदय में, उपशम जल से उसे बुझाये।
करे दुश्मनी गर कोई तो, हम दोस्ती का हाथ बढ़ाये।
माया की पगडंडी तजकर, ऋजुता राजमार्ग पर दौड़े।।
जहर भर गया जिन सांसों में, वहां अमिय की धार बहाये।
भूल विगत को इस आगत का, एक नया इतिहास बनाये।
आंखों में आभार घोलकर, हम दुराव का पल्ला छोड़े।।

-साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

महामंत्री के स्वर... हो रहे मुखर

अनुशास्ता के अनुशासन में प्रतिदिन निखर रहा संगठन ही तेरापंथ का जीवन धन है।अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल इस जीवन धन को अक्षुण्ण बनाये रखने हेतु संकल्पित है। संघ के शुभ भविष्य एवं नारी अस्मिता की जिम्मेदारी को हाथों में थामे अपने श्रावकत्व की गरिमा को बनाये रखने के लिए कटिबद्ध है तेरापंथ महिला समाज की प्रत्येक बहन।

अ भा ते म म अपने शास्ता के आशीर्वाद से विकास यात्रा के 43वें पायदान पर खड़ा है। अतीत की प्रस्तुति, वर्तमान की समीक्षा एवं भविष्य का ताना बाना बुनेंगे आप और हम मिलकर चेन्नई के अधिवेशन में। बहनों, इस बार अधिवेशन में स्थितप्रज्ञ, संघ- शिरोमणी पूज्य आचार्य प्रवर को संघ के सजग प्रहरी के रूप में सामूहिक वंदना करेंगे और मिलकर अपने जीवन में आध्यात्मिक विकास का संकल्प लेंगे।

आप सभी पर्युषण महापर्व की आराधना करते हुए, जीवन के मूल लक्ष्य की ओर बढ़ने का अनवरत प्रयास करते रहें।इस एक वर्ष में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप में हुई गलतियों के लिए अंत: करण से क्षमा याचना।

नीलम सेठिया, महामंत्री

पूज्य प्रवर की सन्निधि में ''श्राविका गौरव'' अलंकरण समारोह

परम पूज्य महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन सान्निध्य में ''माधावरम'' चैन्नई में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का गौरवशाली सम्मान ''श्राविका गौरव 2018'' ब्यावर निवासी चैन्नई प्रवासी तेरापंथ धर्मसंघ की सुश्राविका राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती रजनी पुखराजजी दुगड़ को प्रदान किया गया। परम पूज्य आचार्य प्रवर ने इस विशेष अवसर पर पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि सम्मान मिलना एक प्रकार का उपहार है जो जीवन को अधिक दायित्व बोध से जीने की प्रेरणा देता है। श्राविका बनना और उसमें भी ''श्राविका गौरव'' मिलना एक विशेष गौरव की बात है। महिला समाज अपनी गरिमा को बनाये रखते हुए देव, गुरु, धर्म के प्रति अटूट श्रद्धा, भक्ति विवेक, ज्ञान के साथ प्रगति के सोपान चढ़ती रहे। त्याग, तपस्या, प्रत्याख्यान, बारहव्रत सुमंगल साधना से भावित हो जीवन को श्रावक के गौरव से गौरवान्वित करे। शारीरिक कष्टों में भी समता की साधना से जीवन में सहनशीलता का विकास कर आत्मकल्याण की दिशा में अग्रसर रहे। मातृहृदया साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने कहा कि दुगड़ परिवार लंबे समय से धर्म संघ की सेवा, आराधना निरंतर कर रहा है। पूरा परिवार संघ समर्पित है। श्रीमती रजनी दुगड़ भी वर्षों से संघीय सभा-संस्थाओं से जुड़ी है। मुख्य मुनि महावीर कुमारजी ने साधक को बाहर रहते हुए भीतर रमण करने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कहा कि श्रीमती रजनी दुगड़ एक सरलमना, सहृदया सुश्राविका है। धर्मसंघ में आपकी सेवाएँ अमूल्य है। उन्होंने इस अवसर पर उन्हें पूरे अ.भा.ते.म.मं. परिवार की तरफ से बधाई प्रेषित की। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। श्रीमती रजनी दुगड़ ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अंतिम समय तक संघ की प्रभावना करती रहूँ ऐसा आशीर्वाद परम पूज्य मुझे प्रदान करे। श्रीमती संजु दुगड़ ने भावों से एवं दुगड़ व लुणावत परिवार की बहनों ने गीतिका के माध्यम से प्रस्तुति दी। चैन्नई चातुर्मास व्यवस्था समति अध्यक्ष श्री धर्मचंदजी लुंकड़, महिला मंडल एवं सभी संघीय संस्थाओं व श्रावक समाज ने श्रीमती रजनीजी के उज्जवल भविष्य की मंगलकामना प्रेषित करते हुए बधाईयाँ दी।

EMPOWERMENT

बहनों ! नवम्बर माह से प्रारम्भ हुई **Empowerment Express** के माध्यम से प्रतिमाह अलग-अलग स्टेशन रूपी सोपान पर आरोहण करते हुए हम पहुँच चुके है Target Point (गंतव्य स्थान) **Terminal 'T"** पर। जहाँ हम सब मिलकर मनायेंगे क्षमा का पर्व अनोखा, और करेंगे आत्मा की उन्नति का लेखा-जोखा। बहनों! इसके लिए हमें मिटाने है भीतर के राग और द्वेष, **Tap** और **Tyag** की **Tonic** से जीवन को बनाना है विशेष। **Time** का नहीं करना है अतिरेक, **Trust** से पार करने है जीवन के **Tough Track**। **Empowement** यात्रा में आप सभी बने सहयोगी, **Thank You** शब्द बहुत छोटा है देने आपको **Trophy**। संपूर्ण यात्रा के दौरान हुई हो हमसे कोई भूल अगर, करते हैं खमत खामणा दिल से, आसान हो हमारी हर डगर। बहनों, इस माह आयोजित करे कार्यशाला....

Transform YOURSELF WITH A TURNING POINT "T"

बदले स्वयं को Turning Point T के साथ

THE GIFT OF FORGIVENESS

क्षमा का उपहार ले और दे .... इसके लिए बनना है आपको

TOLERANT सहिष्णु
RANSPARENT पारदर्शी
THOUGHTFUL विचारशील

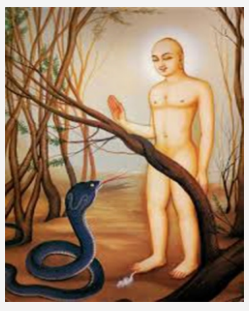

THE ACT OF KINDNESS

सभी प्राणी को आत्मतुल्य समझे

TRUST विश्वास करे और विश्वसनीय बने
THERAPY समस्या का उपचार करे (सुधारवादी बने)
THANKFUL कृतज्ञता के भाव रखे

THE TACT OF EASINESS

सहजता, सरलता की कला सीखें

TOP PRIORITIES प्राथमिकता तय करे, समय का मूल्य समझे
TRUTH सत्य का सदा साथ निभाये
TECHNOLOGY टेक्नोलॉजी अपनाये मगर आदत नहीं बनाये

जीवन के सफर में आगे बढ़ते जाएं, कभी हार न मानें

Try and Try, Never give up

क्योंकि, लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

इस माह का संकल्प - प्रतिदिन 15 मिनिट प्रेक्षाध्यान का प्रयोग करें

वीतराग मूर्ति परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में चैन्नई में अ.भा.ते.म.मं. के महत्वपूर्ण आयोजन

- दिनांक 3, 4, 5 अक्टूबर 2018 (बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार) को 43वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

राष्ट्रीय महिला अधिवेशन के विशिष्ट आयोजन

- सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार समारोह
- ''भावना सेवा'' हेतु निर्मित बस का लोकार्पण समारोह
- साधारण सभा का आयोजन दिनांक 3 अक्टूबर 2018 को सांय 7 बजे होगा।

साधारण सभा के एजेंडा

- अध्यक्ष द्वारा स्वागत
- गत मिनट का वाचन
- कोषाध्यक्ष द्वारा आय व्यय का विवरण
- संविधान की जानकारी
- पंचमंडल का गठन
- अन्य अध्यक्ष की अनुमति से
- आभार

सभी शाखा मंडल सादर आमंत्रित है।

- सभी शाखा मंडल अपना एवं कन्या मंडल का मान्यता पत्र अवश्य साथ में लाएं।
- आपके आगमन की सूचना अपने-अपने क्षेत्र की राष्ट्रीय प्रभारी बहनों को शीघ्र ही प्रेषित करें जिससे आवास आदि की समुचित व्यवस्था की जानकारी आपको समय पर दी जा सके।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें।

09840040446	09841725560	07299755866	08610179771
श्रीमती उषा बोहरा	श्रीमती माला कातरेला	श्रीमती कमला गेलड़ा	श्रीमती शांति दुधोड़िया
राष्ट्रीय अधिवेशन संयोजिका		अध्यक्ष-चैन्नई म. मं.	मंत्री-चैन्नई म.मं.

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के विशिष्ट आयोजन

- दिनांक 30 सितम्बर, 1 और 2 अक्टूबर 2018 (रविवार, सोमवार, मंगलवार) तत्वज्ञान के छठे वर्ष और तेरापंथ दर्शन के पांचवे वर्ष की विशेष मौखिक व लिखित परीक्षा एवं प्रशिक्षण शिविर।
- दिनांक 22 सितम्बर 2018 (शनिवार) से 4 अक्टूबर 2018 (गुरुवार) तक जैन स्कॉलर योजना के द्वितीय सत्र की छठी (अंतिम) कार्यशाला एवं दीक्षांत समारोह।
- उपरोक्त दोनों कार्यक्रम का मंचीय आयोजन परम पूज्य गुरुदेव की पावन सन्निधि में दिनांक 1 अक्टूबर 2018 (सोमवार) को रहेगा।

विशेष निर्देश

- पर्युषण महापर्व आत्मा के उत्कर्ष का पर्व है। अतः सभी बहनें आध्यात्मिक आराधना का अधिक से अधिक लाभ लें। पर्युषण के दौरान अखण्ड जप की साधना में सहयोगी बनें। संवत्सरी महापर्व पर अधिक से अधिक अष्टप्रहरी पौषध करने का लक्ष्य बनाएं।
- संवत्सरी महापर्व पर प्रतिक्रमण - ''साधना का मजबूत चरण, श्रावक प्रतिक्रमण'' के अंतर्गत संवत्सरी महापर्व पर परिवार के प्रत्येक सदस्य को प्रतिक्रमण के लिए प्रेरित करें और अधिक से अधिक संख्या में प्रतिक्रमण करने का प्रयास करें।
- तत्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन, जैन स्कोलर के पाठ्यक्रम से अधिक से अधिक भाई-बहन को जोड़ने का प्रयास करें। यह आपके मूल्यांकन का मूल आधार बिंदु होगा।
- बहनों, मंगलाचरण आदि में नृत्य की प्रस्तुति नहीं करे। पगड़ी, साफा आदि का भी प्रयोग नहीं करे। सादगी पूर्ण एवं गरिमामय प्रस्तुति देने का प्रयास करे। चारित्रात्माओं की सन्निधि में लिपस्टिक का प्रयोग नहीं करे।
- महिला मंडल या कन्या मंडल की पिकनिक आदि के आयोजन में वेशभूषा का पूर्ण ध्यान रखे।
- आध्यात्मिक मंच की साज सज्जा में अधिक आडम्बर और प्रदर्शन न करें। जैनत्व के अनुरूप सादगी पूर्ण सजावट करने का प्रयास करे।

कन्या मण्डल

करणीय कार्य - सितम्बर

बेटियों के बढ़ते कदम - फहराएं विकास के परचम

प्यारी बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र !

सितम्बर का महिना लेकर आया है जैन धर्म के महान पर्व पर्युषण को। पर्युषण पर्व अवसर है आत्म शुद्धि व आत्मदर्शन का। पर्युषण में हम कषायों का दहन करे एवं त्याग, प्रत्याख्यान स्वीकार करने का प्रयास करे। इन आठ दिनों में हम बाहरी दुनिया से विमुख बनकर अंतर्मुखी बने। कन्याएं हर क्षण जागरूक बने, स्वयं का निरीक्षण करे और धर्म, ध्यान, त्याग, तप, जप का माहौल बनाये। प्रतिदिन प्रवचन श्रवण और सामूहिक प्रतिक्रमण का क्रम बनाये।

आपकी दीदी
मधु देरासरिया

करें आत्म निरीक्षण, जागरूकता रहे हर क्षण

इसमें आपको बनाना है साप्ताहिक आराधना कार्ड

Chart में सातों दिन के आराधना दिवस (सामायिक दिवस, ध्यान, खाद्य संयम) आदि का नाम, प्रत्याख्यान/संकल्प का नाम और कन्याओं के नाम का उल्लेख करना है। अंत में संवत्सरी के दिन उपवास, चार/छः/अष्ट प्रहरी पौषध करने वाली कन्याओं के नाम/संख्या का उल्लेख करें। इस **Chart** को छःमासिक **Report** के साथ भेजना होगा।

Mission Swachhata (Limca Book of World Record)

कन्याएं अपनी सक्रियता बताते हुए इस **Mission** को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करे। सभी को सार्वजनिक स्थान पर गंदगी न करने का संकल्प दिलाये एवं आपके क्षेत्रानुसार बताये रंग के **Fall** पर अधिक से अधिक संख्या में हस्ताक्षर करवा कर इस **Mission** को आगे बढ़ाते हुए विश्व कीर्तिमान स्थापित कर एक नई पहचान बनाये।

My Vision - My Mission Board का Result

प्रथम	-	सुश्री अंकिता श्रीश्रीमाल, हुबली क. म.	तृतीय	-	सुश्री सिद्धि श्यामसुखा, विजयवाड़ा क. म.
द्वितीय	-	सुश्री मेघा बरड़िया, साउथ कोलकाता क. म.	प्रोत्साहन	-	सुश्री तारा चौपड़ा, साउथ हावड़ा क. म.

स्मृतियां जिनकी रह गई शेष

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य ब्यावर निवासी चैन्नई प्रवासी श्रीमान पुखराजजी दुगड़ की धर्मपत्नी श्राविका गौरव स्व. श्रीमती रजनीबाई दुगड़ का व्यक्तित्व अविस्मरणीय बन गया। दिनांक 20 अगस्त 2018 को परम पूज्य गुरुदेव की पावन सन्निधि में ''श्राविका गौरव'' का अंलकरण से सम्मानित कर गौरव की अनुभूति करने का सौभाग्य मिला और 24 अगस्त 2018 को गुरु की ही शरण में अंतिम सांसे न्यौछावर करने की खबर सुनकर अत्यंत दुःख हुआ। वे एक धर्मपरायण, सेवाभावी तथा संघ व संघपति के प्रति समर्पित सुश्राविका थी। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल में उनकी अतीत में भी अच्छी सेवाएं रही है। ब्यावर तथा चैन्नई महिला मंडल व ज्ञानशाला में उनकी उल्लेखनीय सेवाएं रही है। अध्ययन में उनकी विशेष रूची रही है। कुछ ही वर्ष पूर्व उन्होंने जैन विश्व भारती संस्थान से जैन दर्शन तथा जीवन विज्ञान में डबल एम.ए. की डिग्री हासिल की। उनका स्नेह युवा बहनों को निरंतर प्रोत्साहित करता था। असहय वेदना के बावजूद भी उनका समत्व भाव बेजोड़ था। संघ व संस्था के लिए सदा समर्पित ऐसी श्राविका के चले जाने से एक महत्वपूर्ण व्यक्तित्व की रिक्तता महसूस हो रही है। उन्होंने न केवल संस्था व संघ के लिए काम किया बल्कि अपने परिवार को संस्कारी बनाकर स्वयं ढाल बनकर सदा परिवार का गौरव बढ़ाया। उस दिवंगत आत्मा के प्रति अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की पूरी टीम उत्तरोत्तर आध्यात्मिक विकास की मंगलकामना करती है तथा दुगड़ व लुणावत परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है।

अनन्त संवेदनाओं के साथ.....

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

पूज्यप्रवर की सन्निधि में दक्षिणांचल ''पहचान'' कन्या कार्यशाला

परमाराध्य महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में असाधारण साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी की पावन प्रेरणा से चेन्नई-माधावरम की पावन धरा पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में दक्षिणांचल कन्या कार्यशाला ''पहचान - **Aspiring a New Me**'' का भव्य आयोजन चेन्नई महिला मंडल द्वारा 17, 18, 19 अगस्त 2018 को किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, राष्ट्रीय कन्यामंडल प्रभारी मधु देरासरिया, सहप्रभारी तरूणा बोहरा के दिशा-निर्देशन में कार्यक्रम को संपादित किया गया।

मुख्य मुनिश्री महावीरकुमारजी, मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, साध्वीवर्या संबुद्धयशाजी, मंडल की आध्यात्मिक पर्यवेक्षिका शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी, समणी निर्देशिका डॉ. चारित्रप्रज्ञाजी का विशेष प्रेरणा पाथेय प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती उषा बोहरा, श्रीमती लता जैन, श्रीमती शशि बोहरा, श्रीमती वीणा बैद, श्रीमती शशिकला नाहर, श्रीमती सुधा नौलखा, श्रीमती प्रभा दुगड़, श्रीमती सुनीता बोहरा, श्रीमती सुमन लुणिया, श्रीमती सरला श्रीमाल, श्रीमती मंजुला डूंगरवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। दिल्ली से प्रभाजी मालू एवं संस्कृती भंडारी की विशेष उपस्थिति रही। चैन्नई महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती कमला गेलड़ा, मंत्री श्रीमती शांति दुधोड़िया, कन्या मंडल प्रभारी मंजू गेलड़ा, सहप्रभारी दीपा बाफना, कार्यशाला संयोजिका सुश्री यशिका खटेड़, कन्या मंडल संयोजिका सुश्री दर्शना सेठिया, सह संयोजिका सुश्री श्वेता समदड़िया के अथक श्रम और सराहनीय प्रयास से दक्षिणांचल के 6 राज्यों के विभिन्न 35 क्षेत्रों से 550 कन्याओं ने सहभागिता दर्ज कराई।

पहचान रैली

दक्षिणांचल कन्या कार्यशाला का भव्य आगाज पहचान रैली के साथ हुआ। कन्या सुरक्षा के नारों से माधावरम् के परिसर को गुंजायमान कर रैली परम पूज्य गुरुदेव की सन्निधि में सभा में परिवर्तित हुई। पूज्य गुरुदेव ने फरमाया कि ज्यादा से ज्यादा कन्याएं शनिवार 7-8 बजे की सामायिक करें। संभवत प्रातः 11.11 बजे की सम्यक्त्व दीक्षा में संभागी बने। जीवन में ईमानदारी, पारदर्शिता जैसे अच्छे मूल्यों को अपनायें। गुस्सा एवं आवेश कम करें। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने ''पहचान'' की भूमिका प्रस्तुत करते हुए पूज्यप्रवर से कन्याओं के लिए आशीर्वाद की कामना की। कन्या मंडल ने सुमधुर गीत की प्रस्तुति दी।

उद्घाटन सत्र - अभ्युदय सत्र

ऊर्जा प्रदाता परम पूज्य गुरुदेव से ऊर्जा पाकर कन्याएं ने ममतामयी मां श्रद्धेया साध्वीप्रमुखाश्रीजी की सन्निधि में उपस्थित हुई। महाश्रमणीवरा के महामंत्रोच्चार द्वारा उद्घाटन सत्र का मंगल शुभारंभ हुआ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि कन्याएं ऐसी पहचान बनाए कि आनेवाले भविष्य में चेन्नई, तमिलनाडु की धरा मंदिरों की नगरी नहीं संयम रत्नों की नगरी के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करे। मंगलाचरण बैंगलोर कन्यामंडल द्वारा किया गया। स्वागत वक्तव्य में चेन्नई महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती कमला गेलड़ा ने राष्ट्रीय सदस्यों का एवं आए हुए प्रभारियों का और कन्याओं का स्वागत किया। स्वागत गीत में चेन्नई कन्या मंडल ने अपनी प्रस्तुति में सभी क्षेत्रों का स्वागत मोहक ढंग से किया। राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी ने भावपूर्ण विचार प्रस्तुत किये। शासन गौरव साध्वी श्री कल्पलताजी ने अपने उद्बोधन में फरमाया कि कन्याओं को हर क्षेत्र में अपनी ऐसी पहचान बनानी चाहिए कि उनकी जबान नहीं, उनका जीवन बोले।

साध्वीप्रमुखाश्री ने अपने प्रेरणा पाथेय में फरमाया कि इस कार्यशाला का मूल चिन्ह पहचान है। पहचान स्वयं की जरूरी है। अगर कन्याओं को ऊपर उठना है तो उन्हें अपनी जड़ों को गहरा करना होगा और हमें श्रेष्ठ पहचान बनाने के लिए प्रयास करना होगा। बाहरी पहचान के साथ भीतरी मूल पहचान, आत्मा की पहचान आवश्यक है। और रोचक कथाओं द्वारा कन्याओं को पहचान का मर्म बताया। संचालन चेन्नई कन्यामंडल संयोजिका दर्शना सेठिया एवं आभार ज्ञापन मंत्री श्रीमती शांती दुधोड़िया ने किया।

बढ़ते कदम

द्वितीय सत्र – ''ऊर्जा'' – पहचान तेरापंथ की

विजयनगरम् (आंध्रप्रदेश) कन्यामंडल द्वारा मंगलाचरण किया गया। प्रतियोगिता संयोजक सुश्री याशिका खटेड़ द्वारा बहुत ही रोचक तरीके से **Smart Phone** और **App** के माध्यम से अत्यंत आधुनिक माध्यम से अलग-अलग **Round** के द्वारा तेरापंथ प्रबोध पर आधारित प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। कन्याओं ने बहुत ही अच्छी तैयारी के साथ इसमें भाग लिया। समणी निर्देशिका चारित्रप्रभाजी ने फरमाया कि तेरापंथ की पहचान क्या है और कहा कि कन्याएं को आज्ञा एवं मर्यादा के सूत्रों को जीवन में इस तरीके से अपनायें ताकी कन्याओं की अपनी एक ब्रांडिंग हो जाए और हर कोई यह कहे कि यह तेरापंथ की कन्याओं की पहचान है। प्रतिभागी कन्याओं को चेन्नई महिला मंडल द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ईरोड़ कन्यामंडल ने किया।

द्वितीय दिवस – प्रथम सत्र – ''चेतना'' पहचान प्रतिभा की, सुरक्षा संस्कारों की

मंगलाचरण सेलम कन्यामंडल एवं संयोजन विशाखापट्नम कन्यामंडल ने किया। इस सत्र की गरिमा बढ़ाने हेतु मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी एवं शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी पधारे। साध्वीश्री कल्पलताजी ने फरमाया की पहचान का दायरा बहुत बड़ा होता है। जिसमें से एक पहचान हमें अपने कामों एवं प्रतिभा से अर्जित करनी पड़ती है। कन्याओं को संकल्प लेने के लिए प्रेरणा दी की वो जहाँ भी जाये अपने खान-पान, रहन-सहन एवं चाल-चलन की शुद्धि रखे। मुख्य नियोजिका जी ने अपने मंगल उद्बोधन में बताया की हमारे जीवन की सबसे बड़ी विडम्बना है कि हम बाहरी जीवन में जी रहे है। हमें अपनी आत्मा के दर्पण को पवित्र बनाना चाहिए। साध्वी प्रमुखाश्रीजी ने फरमाया की हमें कठिन समय में धैर्य रखना चाहिए और जीवन के सफलता के लिए कुछ सूत्र बताए जैसे आत्म-संयम बनाए रखे, अपने कामों की सूची बनाकर रखे, आज का काम कल पर न छोड़े, विवेकशील बने, जागरूक रहे एवं गलत निर्णय न ले। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि कन्याओं को अपनी ब्राडिंग बनाने के लिए **CCC** फार्मूला का उपयोग करना चाहिए। जिसका मतलब है **Commited, Culture** एवं **Character**।

द्वितीय सत्र – Treasure Hunt Activity

इस सत्र का कुशल संचालन राष्ट्रीय सहप्रभारी श्रीमती तरूणा बोहरा ने किया एवं मंगलाचरण हासन कन्यामंडल ने किया। कन्याओं को रोचक तरीके से यह **Activity** करवायी गयी जिसमें कन्याओं ने उत्साह से भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

तृतीय सत्र – ''समीक्षा'' – पहचान रिश्तों की

आर आर नगर (बैंगलोर) कन्यामंडल द्वारा मंगलमय शुरुआत की गई एवं बेल्लारी कन्या मंडल ने कुशल संचालन किया। समणी नियोजिका चारित्रप्रज्ञाजी ने फरमाया कि हमें उम्र के अनुभव से समाधान मिलेंगे। हमारी प्रथम **Priority** होनी चाहिए हमारे **Parents**। हमें अपने **Parents** के साथ **discuss** करके निर्णय लेना चाहिए। अंत में बताया की **Imprint are to be on the brain and not just on the notes**. इस सत्र के मुख्य वक्ता रहे प्रभाजी मालू एवं संस्कृति भंडारी। इन दोनों मोटिवेशनल स्पीकर्स ने अपने अंदाज में बताया कि किस तरह से केरियर और मेरिज लाइफ के संतुलन को बनाये रखना चाहिए। ग्रुप डिस्कशन से निष्कर्ष निकला कि गैप जनरेशन का नहीं बल्कि कम्यूनिकेशन का है। संस्कृतिजी ने बताया कि हमें कम्यूनिकेट करना चाहिए, दूसरों में गलतियां नहीं निकाले, मुश्किलों में भी जिम्मेदारियों में संतुलन बनाये रखे। हुबली कन्यामंडल की विशेष प्रस्तुति रही।

चतुर्थ सत्र – शनिवार की सामायिक – 'करें समता रस का पान, श्रावकत्व बने हमारी पहचान'

सत्र की शुरुआत चिकमंगलूर कन्या मंडल के मंगलाचरण से हुई। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती वीणा बैद ने विषय परिपेक्ष में सामायिक के संदर्भ में उमदा प्रशिक्षण दिया। तेरापंथ प्रबोध का सामूहिक संगान किया गया।

पंचम संत्र – सांस्कृतिक प्रस्तुति – ''निखार'' – Aspiring a New Me – एक नई पहचान

मंगलाचरण मैसूर कन्या मंडल ने किया। कांटाबाजी, सिंधीकेला, केसिंगा, गंगावती, कोयम्बटूर, विजयनगर,

गदग, भुवनेश्वर, मंड्या, विजयवाड़ा, मदुरै एवं चैन्नई कन्या मंडल द्वारा ''पहचान'' पर सुन्दर एवं सराहनीय प्रस्तुति दी गई। सभी क्षेत्रों को प्रमाणपत्र द्वारा सम्मानित किया गया। कन्याओं का उत्साह देखने योग्य था। कुशल मंच संचालन हैदराबाद कन्या मंडल द्वारा किया गया।

तृतीय दिवस – ''संबोधन'' – व्यवहार में झलके जैन संस्कार

मुख्य प्रवचन पंडाल में समागत सभी कन्याएं गुरुप्रसाद ग्रहण करने पहुँची। असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी ने कन्याओं को उद्‌बोधन देते हुए कहा कि सबको एक लक्ष्य बनाना है – जन्मना जैन तो हम है साथ ही कर्मणा जैन संस्कारों को भी अर्जित करना है। सभी कन्याओं को जैन धर्म, जैन दर्शन का ज्ञान होना चाहिए। प्राथमिक ज्ञान आवश्ययक है। सम्यक् ज्ञान, दर्शन, चारित्र की आराधना करनी है। नमस्कार महामंत्र का जप, प्रहर, नवकारसी, द्रव्य सीमा, वस्त्रों की मर्यादा, कषाय को शांत करना इत्यादि प्रत्याख्यान की प्रेरणा प्रदान की।

परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर ने 11.11 मिनिट पर सभी समागत 550 कन्याओं को सामूहिक सम्यक् दीक्षा प्रदान करवाई एवं शनिवार की सामायिक, ईमानदारी, नैतिकता, तत्वज्ञान पाठ्यक्रम इत्यादि की भरपूर प्रेरणा प्रदान करवाई। सभी कन्याएं विकास करें, अच्छा काम करें – ऐसा मंगल आशीर्वाद प्रदान करवाया। राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी मधु देरासरिया ने गत एक वर्ष की कन्याओं की गति–प्रगति की रिर्पोट आंकडों में रखते हुए बताया कि कन्याएं कंठस्थ ज्ञान, त्याग, प्रत्याख्यान, जैन विद्या, तत्वज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन, प्रशिक्षण, जप, आयंबिल, तप आदि के द्वारा आध्यात्मिक क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रही है। कन्याओं ने गीतिका के माध्यम से पूज्य प्रवर के चरणों में अपनी अभ्यर्थना समर्पित की।

इस प्रकार पूज्य प्रवर की सन्निधि में आयोजित इस दक्षिणांचल कन्या कार्यशाला ''पहचान'' के साथ ही कन्या कार्यशाला में देश के कुल 20 राज्यों के 125 क्षेत्रों की लगभग 1800 कन्याओं ने इन कार्यशाला में सहभागिता दर्ज कराकर, चारित्रात्माओं से प्रेरणा पाथेय प्राप्त कर अपनी सम्यक् पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाये।

माधावरम्, चैन्नई में फिजीयोथैरिपी सेंटर का उद्‌घाटन

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल चेन्नई ने मातृहृदया संघ महानिदेशिका महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के जन्मदिवस पर माधवरम् में फिजियोथेरिपी सेंटर का उद्‌घाटन किया। तेरापंथ के सरताज आचार्य महाश्रमण जी और मातृहदया महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने महत्ति कृपा कर फिजियोथेरिपी सेंटर पधार कर महामांगलिक फरमाया और आर्शीवाद प्रदान किया। चेन्नई तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती कमला गेलड़ा ने आगन्तुकों का स्वागत किया राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरडिया ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में चेन्नई मंडल के प्रति शुभकामना प्रेषित करते हुए कहा की अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल नित नए आयामों का शुभारंभ निरन्तर कर रहा है। आज मातृहदया महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के जन्मदिवस पर तेरापंथ महिला मंडल चैन्नई ने फिजियोथेरिपी सेंटर का उद्‌घाटन किया ये एक बहुत ही सराहनीय कार्य है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुदजी कच्छारा एवं महामंत्री नीलमजी सेठिया 425 शाखा मंडलों और 60,000 बहनों का नेतृत्व कर रही है। महिला शक्ति आज दोहरा दायित्व जागरूकता से निभा रही हैं। कार्यक्रम में रा.का.स. उषा जी बोहरा, लता जी जैन, शशि जी बोहरा, रजनी जी दुगड, चातुर्मास व्यवस्था समिति के मंत्री रमेश जी बोहरा, अभातेयुप के सहमंत्री रमेश जी डागा आदि की गरिमामय उपस्थिती रही। डॉ. विजय सकलेचा का पूर्ण सहयोग रहा धन्यवाद ज्ञापन मंत्री श्रीमती शान्ति दुधोडिया ने दिया।

महाराष्ट्र स्तरीय विराट महिला सम्मेलन ''सृजन''

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल, मुंबई द्वारा साध्वी श्री अणिमाश्रीजी व साध्वी डॉ. श्री मंगलप्रज्ञाजी के मंगल सान्निध्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता व महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया की गरिमामय उपस्थिति में महाराष्ट्र स्तरीय विराट महिला सम्मेलन ''सृजन'' का भव्य आयोजन किया गया।

प्रथम सत्र – उद्‌बोधन सत्र

महामंत्रोच्चार द्वारा प्रथम सत्र उद्‌बोधन का प्रारम्भ किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, मुंबई महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री बडाला व मंत्री श्रीमती श्वेता सुराणा ने सृजन के बैनर का अनावरण किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती प्रकाश देवी तातेड़, श्रीमती शांता पुगलिया, श्रीमती आरती कठोतिया, परामर्शक श्रीमती मोहिनी देवी चोरड़िया, श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया, रा.का.स. श्रीमती अदिति सेखानी, श्रीमती निधि सेखानी, श्रीमती जयश्री जोगड़, श्रीमती कांता तातेड़, श्रीमती निर्मला चंडालिया, श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा, श्रीमती तरूणा बोहरा की विशेष उपस्थिति रही। महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों से समागत लगभग 1100 से अधिक महिलाओं को उद्‌बोधन देते हुए साध्वी श्री अणिमाश्रीजी ने कहा कि यदि हम समन्वय, सामंजस्य एवं सहनशीलता का सृजन करे, धार्मिक संस्कारों का बीजारोपण करे, आत्मावलोकन करे तो निश्चय ही ''सृजन'' का यह आयोजन सफल होगा एक दिन में सृजन नहीं होता पर चिंतन, लक्ष्य निर्धारण व उसके प्रति निरंतर गति से ही व्यक्ति नवसृजन कर पाता है। साध्वी श्री मंगलप्रज्ञाजी ने प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि आप कैसे और क्या सृजन कर रहे है यह समझना आवश्यक है पर मूल सृजन को भूले बिना। हमें अपने कार्यों से समाज के विकास को नई दिशा प्रदान करने में अपना सहयोग देना चाहिए। साध्वी मैत्री प्रभाजी ने भी सृजन के विषय को विश्लेषित कर बहनों का मार्गदर्शन किया। साध्वी सुधा प्रभाजी ने सत्र का सुंदर संचालन करते हुए सृजन को व्याख्यायित किया व सृजन के लिए बहनों को दिशाबोध दिया।

मुख्य अतिथि अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने विराट महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि साहस व शौर्य का प्रतीक केसरिया रंग में सुसज्जित बहनों को सृजन के लिए पुरुषार्थ करना होगा। साहस के बिना सृजन की कल्पना संभव नहीं है। साथ ही जागरूकता व सकारात्मक सोच से ही कुछ नवसृजन होगा। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की कर्मभूमि पर दायित्व ग्रहण करने के पश्चात् प्रथम बार आना हुआ यह सौभाग्य कि बात है। उन्होंने श्रीमती कुमुद कच्छारा को एक हीरे की उपमा देते हुए कहा कि उनमें वो सब विशेषताएँ है जो हीरे में होती है। मुंबई महिला मंडल को उन्होंने उसके 54 उपनगरों के साथ प्रगति पथ पर चलने को अखिल भारतीय महिला मंडल का छोटा रूप बताया। उन्होंने कहा मुंबई का नेतृत्व करना एक बड़ा दायित्व है। सम्मेलन की विशिष्ट अतिथि नगर सेविका श्रीमती रीटा जी मकवाना ने कहा कि एक रंग में सजी एकत्व का प्रतीक महिला शक्ति को एक जगह इस भव्य रूप में एकत्र करने का सशक्त माध्यम है तेरापंथ महिला मंडल। उन्होंने तेरापंथ धर्मसंघ को समाज व देश सेवा में अग्रगणी बताया। उन्होंने कन्या सुरक्षा सर्किल कार्य को सराहनीय बताते हुए उनके वार्ड में इसके निर्माण के प्रति पूर्ण आश्वासन दिया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित भाजपा प्रवक्ता व डिजाईनर शायना एन.सी., मिसेज एशिया यूनिवर्स पिंकी राज गिरिया व सारिका जैन ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। मुंबई महिला मंडल की अध्यक्ष व रा.का.स. श्रीमती जयश्री बडाला ने सम्मेलन के विषय सृजन की व्याख्या करते हुए तितली के उदाहरण द्वारा नित नवीन सृजन करने के लिए उत्साहित किया। कार्यक्रम में मंगल संगान डोंबिवली महिला मंडल व स्वागत गीतिका की प्रस्तुति दक्षिण महिला मंडल ने की। एलफिस्टन महिला मंडल ने नवकार मंत्र पर सुन्दर प्रस्तुति दी। दक्षिण मुंबई महिला मंडल संयोजिका श्रीमती वंदना बागरेचा ने स्वागत संभाषण दिया। कार्यक्रम में अणुव्रत समिति मुंबई अध्यक्ष श्री रमेशजी चौधरी, पूर्व अध्यक्ष श्री गणपतजी डागलिया, नितेश धाकड़, कुलदीप बैद, पंकज सुराणा व महाप्रज्ञ विद्या निधी फाउन्डेशन के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बढ़ते कदम

द्वितीय सत्र – ''संबोधन'' – अध्यात्म के आइने में देखे सृजन का प्रतिबिंब

पुणे महिला मंडल के मंगलाचरण से द्वितीय सत्र का प्रारंभ किया गया। इस सत्र में मोटीवेटर व समाजसेवी श्रीमती मंजू लोढ़ा ने बहनों को नारी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह स्वयं सृजनकर्ता है। उन्होंने तेरापंथी महिलाओं की तारीफ करते हुए कहा कि आप सभी की एकता अनुकरणीय है। गुरु आज्ञा आप सभी का एकमात्र लक्ष्य है। यह आप का विशेष गुण है। राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती शांता पुगलिया ने भी बहनों को प्रेरणा देते हुए कहा कि हमें अपने नैसर्गिक गुणों का विकास करते हुए सृजन करना है। इस सत्र का कुशल संचालन मुंबई महिला मंडल सहमंत्री श्रीमती स्वीटी लोढ़ा ने किया।

तृतीय सत्र – ''आनंद'' – नई सोच नये उत्साह का करे सृजन

जलगाँव महिला मंडल के सुमधुर गीत के साथ ''आनंद'' सत्र का प्रारंभ हुआ। इस सत्र में बहनों को ग्रुप डिस्कशन कर उसके सारांश को पोस्टर पर व्यक्त करने की रोचक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विजेता रहे प्रथम – सुलसा ग्रुप, द्वितीय – सुभद्रा ग्रुप एवं तृतीय द्रोपदी ग्रुप। साध्वी श्री अणिमाश्रीजी ने बहनों को विशेष प्रेरणा देते हुए कहा कि व्यक्ति को कभी निराश या हताश नहीं होना चाहिए। उन्होंने धीरूभाई अंबानी, सचिन तेंदुलकर, मोदी जी आदि के उदाहरण देते हुए कहा कि उतार-चढ़ाव आने पर भी सृजन की राह नहीं छोड़ने वाला हमेशा सफलता प्राप्त करता है। बहनों को अपनी अस्मिता व सुरक्षा के प्रति अधिक जागरूकता बरतते हुए सृजन के पथ पर आरूढ़ होना चाहिए। पालघर महिला मंडल ने महिला शक्ति के विभिन्न रूपों को दर्शाती गीतिका की सुंदर प्रस्तुति दी। सत्र का संचालन श्रीमती सरोज सिंघवी ने किया।

चतुर्थ सत्र – ''संवाद'' – सृजन का स्वरूप, संघीय गरिमा के अनुरूप

सम्मेलन में समागत अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के सम्मानित पदाधिकारीगण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया एवं समस्त पदाधिकारियों ने इस सत्र में दायित्व ग्रहण के पश्चात् अपने अनुभवों को महिला समाज से साझा किया। कैसे श्रम व समय का नियोजन कर टीम वर्क के साथ हर कार्य को सफल बनाने का राष्ट्रीय टीम प्रयत्न कर रही है। साथ ही वे भी संस्था व संघीय कार्यों द्वारा स्वयं का विकास कर रही है यह भी उन्होंने बहनों को बताया। सत्र के दौरान चक्र घुमाओ भाग्य निखारो गेम का आयोजन भी किया गया। श्रीमती संगीता चपलोत व श्रीमती जयश्री बडाला ने इस सत्र का संचालन किया।

नवसृजन – बेस्ट आउट ऑफ द वेस्ट

सम्मेलन के दौरान बेस्ट आउट ऑफ द वेस्ट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें पूरे मुंबई से लगभग 40 प्रविष्टियाँ आयी। बहनों ने बहुत ही सुंदर व कलात्मक तरीके से वस्तुओं का निर्माण किया। साथ ही इस सम्मेलन में ज्ञानशाला परिवार द्वारा आध्यात्मिक गेम्स के स्टॉल लगाये गये। रोचक गेम्स के द्वारा आध्यात्मिक ज्ञान के अनूठे प्रयास को सभी ने सराहा।

विराट युवती सम्मेलन ''सृजन'' में महाराष्ट्र के लगभग 14 क्षेत्रों से 1100 से अधिक बहनों ने उपस्थिति दर्ज करायी। कार्यक्रम को राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ अनेक विशिष्ट अतिथियों व महाराष्ट्र से अच्छी संख्या में पधारी बहनों ने सफलतम बनाया। ज्ञानशाला आंचलिक संयोजिका श्रीमती सुमन चपलोत का कार्यक्रम में व दक्षिण मुंबई की टीम का भी सक्रिय सहयोग रहा।

मुंबई महिला मंडल की सभी शाखा मंडलों की संयोजिका व सहसंयोजिका बहनों की जागरूकता व सक्रियता से सम्मेलन ने सफलता प्राप्त की। मुंबई महिला मंडल मंत्री श्रीमती श्वेता सुराणा ने सभी का आभार ज्ञापन किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के स्वच्छ भारत अभियान के तहत मुंबई महिला मंडल द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया की गरिमामयी उपस्थिति में दक्षिण मुंबई के सेंट सेबेस्टियन स्कूल में सेनेटरी पेड डिस्ट्रोइंग मशीन भेंट की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुंबई महिला मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत यह अच्छा योगदान है। मुंबई महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री बडाला व मंत्री

श्रीमती श्वेता सुराणा ने दक्षिण मुंबई शाखा को इस कार्य के सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में नगर सेविका श्रीमती रीटा मकवाना ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय टीम से श्रीमती प्रकाशदेवी तातेड़, श्रीमती शांता पुगलिया, श्रीमती अदिति सेखानी, श्रीमती निधी सेखानी, श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा व मुंबई टीम की बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आचार्य श्री तुलसी रोजगार प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन

कांदीवली (मुंबई) – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित 'आओ चले गाँव की ओर' योजना के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल मुंबई द्वारा कांदीवली में दूसरे सिलाई केन्द्र का उद्घाटन अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा व महामंत्री नीलम सेठिया द्वारा किया गया। मुंबई महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री बडाला ने सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण केन्द्र में सिखाये जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी व प्रथम सिलाई केन्द्र भी गत 7 वर्षों से सुचारू रूप से चल रहा है यह बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने इस कार्य की सराहना करते हुए बहनों का उत्साहवर्धन किया। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने कहा कि इस केन्द्र से लाभान्वित बहनें दैनिक जीवन में इसका उपयोग कर रोजगार प्राप्त करे और इस सेन्टर को सार्थक बनाये। श्रीमती सुमनजी सिंघी ने बताया की रोजगार सेन्टर में न केवल सिखाया जाता है अपितु उनके लिए अर्थोपार्जन हेतु भी प्रयत्न किये जाते है उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ विशेष सहयोगी श्रीमती रचना हिरण भी उपस्थित रही। सेन्टर के उद्घाटन के पश्चात् मुंबई महिला मंडल द्वारा हनुमान नगर की 6 चाल में स्ट्रीट लाइट लगवायी गयी उसका भी उद्घाटन किया गया। मुंबई महिला मंडल मंत्री श्रीमती श्वेता सुराणा के सभी के सहयोग के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा व महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने राष्ट्रीय टीम के साथ तेरापंथ भवन कांदीवली में उग्रविहारी मुनिश्री कमल कुमारजी व सहवर्ती संतों के दर्शन किये। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुनिश्री को संस्था के कार्यक्रमों आदि का निवेदन किया व सृजन कार्यशाला की जानकारी दी। मुनिश्री ने केन्द्र के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि अच्छा कार्य हो रहा है। संस्था धीर, गंभीर व कर्मठ व्यक्तित्व के नेतृत्व में नित नया सृजन कर रही है। यह प्रसन्नता की बात है। पदाधिकारियों ने मुनिश्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

तत्पश्चात् कांदीवली भवन के निकटवर्ती अरिहंत बिल्डिंग में शासनश्री साध्वीश्री सोमलताजी व साध्वीवृंद के दर्शनार्थ राष्ट्रीय टीम पहुँची। साध्वीश्रीजी के मौन साधना थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सुख साता पूछते हुए साध्वीश्रीजी के स्वास्थ्य की मंगलकामना की। साध्वीश्रीजी से मौन मंगलपाठ प्राप्त कर राष्ट्रीय टीम हर्षित हुई। सभी ने साध्वीश्रीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

थाणा (मुंबई)– महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी के आज्ञानुवर्ती आगम मनीषी मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी के सान्निध्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया '' खोज स्वयं की''। अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा विशेष अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में उपस्थित रही। मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी ने अपने वक्तव्य में कहा कि जो व्यक्ति अपने आत्म स्वरूप को पहचान लेता है वह परम आनंद की अनुभूति कर लेता है। मुनिश्री अजित कुमारजी ने गीत के माध्यम से स्वयं को पहचानने की प्रेरणा दी। मुनिश्री अभिजित कुमारजी ने कहा हम औरों के जैसे बनने की जगह अपने आत्म स्वरूप को पहचान स्वयं है वो रहे। मुनिश्री जागृत कुमारजी व सिद्धकुमारीजी ने आडम्बर हर वर्ग पर छाया है यह बताते हुए प्रेरणा दी की हमें दिखावे पर नहीं जाकर सादगीपूर्ण जीवन जीना चाहिए। इस विशेष कार्यक्रम में चारित्रात्माओं के साथ अनेक गणमान्य व्यक्तियों के विचार ऑडियो-विडियो के माध्यम से बताये गये। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने ''खोजे स्वयं को'' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। राष्ट्रीय परामर्शक श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया व रा.का.स. श्रीमती जयश्री बडाला की कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में ''सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग'' शीर्षक के अंतर्गत आडम्बरों पर प्रहार करता परिसंवाद भी प्रस्तुत किया गया।

दक्षिण गुजरात स्तरीय आंचलिक कार्यशाला - अस्तित्व

उद्घाटन सत्र अस्तित्व रिश्तों का :- अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या ''शासनश्री'' साध्वीश्री ललितप्रभाजी के सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल उधना द्वारा दक्षिण गुजरात स्तरीय महिला प्रशिक्षण कार्यशाला अस्तित्व का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ शासनश्री साध्वीश्री ललितप्रभाजी के द्वारा नमस्कार महामंत्र तत्पश्चात् सूरत शहर के मेयर श्री जगदीश भाई पटेल एवं महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं गणमान्य महानुभावों के द्वारा बैनर अनावरण हुआ। इस अवसर पर सूरत महानगर पालिका की ड्रेनेज समिति की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सुधा नाहटा उपस्थित रही।

उद्घाटन सत्र में शासनश्री साध्वी ललित प्रभाजी ने अपने उद्बोधन में फरमाया अस्तित्व की सुदीर्घता के लिए नींव की मजबूती आवश्यक है। जिस व्यक्ति में या समाज में अहिंसा, करूणा, समता एवं सहिष्णुता जैसे तत्व होते है उस व्यक्ति या समाज का अस्तित्व भी दीर्घजीवी होता है। सूरत शहर के मेयर डॉ. जगदीश भाई पटेल ने अपने भावों में कहा जीवन में शिक्षा एवं सत्संस्कारों का विशेष महत्व है। और यह तेरापंथ जैन समाज इस कार्य में आगे है।

अस्तित्व कार्यशाला की मुख्य अतिथि एवं दक्षिण गुजरात की (वेस्मा) क्षेत्र की सुपुत्री अ.भा.ते.म.मं. की अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने अपने वक्तव्य में कहा कि अस्तित्व की बात उसके भीतर में अवस्थित मानवीय गुणो पर आधारित है। प्रत्येक बीज में वट वृक्ष बनने की क्षमता होती है लेकिन जरूरी है उपयुक्त वातावरण, उर्वरक एवं समय-समय पर सिंचन। कन्याएं हमारा भविष्य है। कन्याओं में भरपूर क्षमता है लेकिन उन्हें योग्य वातावरण चाहिए। महिला मंडल की युवती बहनों द्वारा मंगलाचरण एवं उधना म.मं. अध्यक्षा सुनिताजी कुकड़ा ने सभी आगन्तुक अतिथिगण एवं सभी क्षेत्रों से आयी महिला मंडल की बहनों का तहदिल से स्वागत किया।

दूसरा सत्र - विकास के पायदान :- महिला मंडल की पूरी टीम के द्वारा स्वागत गीत के साथ सत्र की शुरुआत की गयी। शासनश्री ने प्रेरणा पाथेय प्रदान किया एवं साध्वीश्री दिव्यशाजी ने अपने भावों की अभिव्यक्ति में कहा वर्तमान में **MBA**, **PHD** जैसी अनेक डिग्रीया उपलब्ध है लेकिन **MBBSS** अर्थात अच्छी माँ, बेटी, बीवी, सास और श्राविका यह डिग्री मिल गई तो जीवन में कभी दुःख नहीं आयेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कहा कि सुदृढ़ समाज के लिए सुदीर्घ अस्तित्व की अपेक्षा को पूर्ण करने के लिए अहंकार एवं आडम्बर को तिलांजली देकर संयमित जीवन शैली अपनानी पड़ेगी। चन्दाजी गोखरू ने भी अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती श्रेया बाफना ने किया आभार श्रीमती मधु मारू ने किया।

तीसरा सत्र - जगे आध्यात्मिक चेतना कार्यशाला :- कन्या मंडल की कन्याओं द्वारा मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। ''शासनश्री'' साध्वीश्री ने विषय पर विशेष प्रेरणा दी। तत्पश्चात् साध्वी श्री लब्धियशा जी ने अपने भावों में कहा अध्यात्म की चेतना जगाए बिना मोक्ष पंथ की ओर प्रयाण संभव नहीं है। कर्म चेतना का विश्लेषण करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक मित्थ्यात्व के चश्में नहीं उतरेंगे तब तक सम्यक्त्व की प्राप्ति संभव नहीं है। रा.ट्रस्टी कनक जी बरमेचा एवं रा.का. प्रभारी मधु जी देरासरिया ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम का संचालन महिमा जी चोरड़िया ने किया एवं आभार सुनिता जी चोरड़िया ने किया।

जिज्ञासा समाधान :- कार्यक्रम के दौरान खुला मंच भी रखा गया जिसमें बहनों ने जिज्ञासा प्रकट की जिसका राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने अपने मधुर एवं सुन्दर भावों से समाधान किया। कार्यशाला में सिलवासा, वापी, डूंगरी, वलसाड़, चिखली नवसारी, सचिन, चलथान, बारडोली, किम, कामरेज, भरूच, अंकलेश्वर, लिम्बायत, पर्वतपाटिया, सूरत इन क्षेत्रों की बहनों ने बड़े ही उत्साह एवं सराहनीय उपस्थिति के साथ सहभागिता दर्ज कराई। उपस्थित सभी क्षेत्रों की बहनों का प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

अ.भा.ते.म.मं. ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, राष्ट्रीय कन्यामंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया, रा.का.स. श्रीमती निधि सेखानी, श्रीमती मंजु नौलखा, ते.सभा उधना अध्यक्ष श्रीमान् बसंतीलाल नाहर, अणुव्रत महासमिति प्रिंट मीडिया प्रभारी अर्जुनजी मेडतवाल, संघ संवाद से राजेश जी कावड़िया सभी सभा संस्था के पदाधिकारीगण ने प्रासंगिक अभिव्यक्ति दी। साध्वी श्री अमितश्रीजी ने कहा कि आज कन्या सुरक्षा सर्किल का उदघाटन हुआ है। यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। कार्यक्रम का कुशल संचालन महिला मंडल मंत्री श्रीमती जशु बाफना ने किया। आभार उपाध्यक्ष श्रीमती सोनू बाफना ने

किया। तेरापंथी महासभा के गुजरात प्रभारी लक्ष्मीलालजी बाफना, राष्ट्रीय कार्यसमिति अनिलजी चण्डालिया, अभातेयुप किशोर मडल प्रभारी अर्पित जी नाहर, रा.का.स. सुनीलजी चण्डालिया आदि की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती तेजु बेन कावड़िया ने ''विकास के पायदान'' सत्र में विषय प्रवेश करवाया एवं संरक्षिका श्रीमती चन्दाजी गोखरू ने भी भावों की अभिव्यक्ति दी।

सिवांची मालाणी स्तरीय ''उन्नयन'' कार्यशाला

न्यू तेरापंथ भवन बालोतरा में मुनि श्री दर्शन कुमार जी मुनि श्री स्वस्तिक कुमार जी मुनि श्री सुपार्श्व कुमारजी के सानिध्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद जी कच्छारा की अध्यक्षता में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल बालोतरा द्वारा सिवांची मालाणी स्तरीय उन्नयन कार्यशाला का आयोजन किया गया। नमस्कार महामंत्र के सुरक्षा कवच द्वारा मुनि श्री दर्शन कुमार जी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंगलाचरण सिवांची मालाणी तेरापंथ महिला मंडल द्वारा किया गया। तेरापंथ महिला मंडल बालोतरा अध्यक्ष अयोध्या देवी ओस्तवाल द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुदजी कच्छारा, राष्ट्रीय ट्रस्टी सौभागजी बैद, प्रियंकाजी जैन, राष्ट्रीय सहमंत्री विजयलक्ष्मीजी का परिचय राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती चंदाजी कोठारी ने दिया। उत्साही बालोतरा तेरापंथ महिला मंडल द्वारा अतिथियों का स्वागत गीतिका के द्वारा किया गया। सहमंत्री विजयलक्ष्मी जी द्वारा संस्था के विकास के बारे में बताया गया बालोतरा कन्या मंडल द्वारा गीतिका प्रस्तुत की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुदजी कच्छारा ने कहा कि बड़े क्षेत्र तो बहुत कार्य करते हैं लेकिन छोटे क्षेत्र द्वारा इतना सुव्यवस्थित प्रोग्राम प्रशंसनीय है राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बालोतरा क्षेत्र में उन्नयन की बात बताने की आवश्यकता ही नहीं है क्योंकि यहां के धार्मिक वातावरण से वह दिख रहा है यहां पर उन्नयन सब महिलाओं में भरा हुआ है। बालोतरा महिला मंडल द्वारा आध्यात्मिक, सामाजिक एवं नारीलोक के माध्यम से दिए कार्यों के संपादन की भूरि-भूरि प्रशंसा की साथ ही सिवांची मालाणी के 10 क्षेत्रों द्वारा किये कार्यो की भी प्रशंसा की। आपका लक्ष्य 108 कन्या सुरक्षा सर्कल बनाने का है उसमें से लगभग साठ तो बन ही गए हैं और कुछ निर्माणाधीन है। मुनि श्री दर्शन कुमार जी ने बताया कि यह क्षेत्र उत्साही है। घूंघट प्रथा को समाप्त करके आज बहने आगे बढ़ गई है यह सब आचार्य तुलसी का आशीर्वाद है। मुनि श्री स्वस्तिक कुमार जी ने प्रेरणा देते हुए कहा कि एक बीज से अनेक बीज बन सकते हैं पर एक बीज को भी कितना संघर्ष करना पड़ता है फिर जाकर वटवृक्ष बनता है इसी प्रकार हर महिला अगर संघर्ष करेगी तो आगे जरुर बढ़ेगी। मुनि श्री सुपार्श्वकुमार जी ने विशेष कहा कि हर बहन निस्वार्थ भाव से संघ की सेवा करे। सिवांची मालाणी के क्षेत्रों से लगभग 500 महिलाओ की उपस्थित रही। जसोल, पचपदरा, कनाना, पारलू, बायतु, बाड़मेर, बालोतरा, असाडा, टापरा सभी क्षेत्रों से बहनों ने कार्यशाला में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बालोतरा उपाध्यक्ष निर्मला जी संकलेचा, उर्मिला जी सालेचा, सह मंत्री चंद्रा जी बालड, मंत्री संतोष देवी वेद मेहता, कोषाध्यक्ष चंद्रा देवी चोपड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष विमला देवी, प्रभारी भगवती देवी, कन्या मंडल संयोजिका निकिता बडेरा, उप संयोजिका रितु बाफना, पूजा गोलेछा का सक्रिय सहयोग रहा। आभार ज्ञापन परामर्शक श्रीमती कमला देवी ओस्तवाल ने किया और कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री रानी बाफना, सहमंत्री संगीता देवी बोथरा ने किया। सिवांची मालानी की सभी क्षेत्रों से महिलाओं ने पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की पिन अभातेममं अध्यक्ष को सुपुर्द

अभातेममं के तत्वावधान में देशभर में आयोजित आयम्बिल तप अनुष्ठान के आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। इस वर्ल्ड रिकॉर्ड की प्राप्त पिन को उधना में शासनश्री साध्वीश्री ललितप्रभाजी के सान्निध्य में अभातेममं ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा ने अभातेममं अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा को सुपुर्द की। इस अवसर पर अभातेममं कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया, कार्यसमिति सदस्य श्रीमती निधी सेखानी, श्रीमती मंजु नौलखा की गरिमामयी उपस्थिति रही। ज्ञातव्य है कि यह पिन उस समय सूरत में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के अधिकारी ने श्रीमती कनक जी को प्रदान की थी।

आचार्य श्री महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल एवं स्तंभ उद्घाटन समारोह

बालोतरा – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की महत्वपूर्ण योजना कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल बालोतरा द्वारा संत हरिदास हॉस्पीटल के सामने कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में इस सर्किल के भव्य उद्घाटन का शुभारंभ मंडल ने रैली के साथ किया जिसमें कन्या सुरक्षा के उद्घोष बहनों द्वारा लगाये गये। राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा महामंत्र के उच्चारण के साथ ही विशिष्ट अतिथि बालोतरा नगर परिषद् चेयरमेन श्री रतनजी खत्री, जोधपुर विधायक श्री कैलाशजी भंसाली ने विधिवत् सर्किल का लोकार्पण किया। समारोह में बालोतरा नगर परिषद् आयुक्त श्री आशुतोष आचार्य, महासभा उपाध्यक्ष श्री गौतम जी सालेचा, बालोतरा सभाध्यक्ष श्री शांतिलालजी डागा, सिंवाची मालाणी क्षेत्रीय तेरापंथ संस्थान अध्यक्ष श्री नेमीचंदजी चौपड़ा, जसोल तहसीलदार श्री पंकजजी जैन, राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद, श्रीमती प्रियंका जैन, राष्ट्रीय सहमंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, रा.का.स. श्रीमती चंदा कोठारी, तेयुप अध्यक्ष श्री मनोजजी ओस्तवाल, जसोल सभा अध्यक्ष श्री डूंगरचंदजी सालेचा, श्री धनराजजी ओस्तवाल, श्री अरविंदजी भंडारी, श्री महेन्द्रजी वेदमुथा आदि गणमान्य व्यक्तियों के साथ सभी सभा संस्थान के पदाधिकारी, कन्या मंडल, किशोर मंडल व श्रावक समाज की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही। सर्किल लोकार्पण के पश्चात् आयोजित मंचीय मंचासीन कार्यक्रम में कन्या मंडल द्वारा सुमधुर मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती अयोध्या देवी ने सभी मंचासीन अतिथियों का स्वागत करते हुए राजस्थान सरकार के राजस्व मंत्री श्री अमरारामजी चौधरी के प्रति सर्किल निर्माण हेतु 5 लाख की राशि का सहयोग प्रदान करने हेतु विशेष आभार प्रकट किया। विधायक कैलाशजी ने कन्या सुरक्षा की दिशा में मंडल द्वारा किये कार्यों की सराहना की। चेयरमेन रतनजी ने कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम हेतु जागरूकता फैलाने में सर्किल का निर्माण विशेष उपयोगी बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कन्या सुरक्षा योजना द्वारा जन-जन में बेटी बचाओ संदेश अ.भा.ते.म.मं. द्वारा पहुँचाया जा रहा है यह बताते हुए कन्या सुरक्षा सर्किल के निर्माण हेतु सरकार के सहयोग के प्रति आभार प्रकट किया व बालोतरा महिला मंडल की प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन मंत्री श्रीमती रानीदेवी बाफना व सहमंत्री श्रीमती संगीता बोथरा ने किया। पार्षद व मंडल सहमंत्री श्रीमती चंदा देवी बालड़ ने आभार ज्ञापित किया।

उधना – ''स्वच्छ सूरत सुन्दर सूरत'' यह सूरत महानगर पालिका का स्वर्णिम सूत्र है। बेटी बचाओ यह भारत सरकार एवं अभातेममं की योजना के अंतर्गत आता है। इन दोनों सूत्रों को सार्थक करने हेतु तेरापंथ महिला मंडल उधना द्वारा बमरोली रोड़ पांडेसरा में कन्या सुरक्षा सर्किल का लोकार्पण किया गया।

सूरत के प्रथम नागरिक सूरत महानगर पालिका के मेयर डॉक्टर जगदीश भाई पटेल एवं अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कन्या सुरक्षा सर्किल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर अणुव्रत महासमिति गुजरात राज्य नशा मुक्ति प्रभारी व पार्षद श्रीमती सुधा नाहटा भी उपस्थित रही। इस शुभ प्रसंग पर मेयर श्री ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में ते.म.मं. की जागरूकता का अनुमोदन किया एवं समाज हित में कन्या सुरक्षा की भावना को उजागर करने की मुक्त मन से प्रशंसा की। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कहा कन्या सुरक्षित है तो समाज सुरक्षित है। उनकी सुरक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। ते.म.मं. उधना की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता कुकडा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर अ.भा.ते.म.मं. कन्या प्रभारी मधु देरासरिया, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्या श्रीमती मंजु नौलखा एवं श्रीमती निधि सेखानी की विशेष उपस्थिति रही। सर्किल निर्माण में उल्लेखनीय मार्गदर्शनकर्ता जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के गुजरात प्रभारी श्री लक्ष्मीलालजी बाफना, ते.सभा उधना के अध्यक्ष श्री बसंतीलालजी नाहर, मंत्री श्री अशोकजी दुगड़, अणुव्रत से श्री अर्जुनजी मेडतवाल, महिला मंडल संरक्षिका चन्दाजी गोखरू, सूरत-उधना सभा के अध्यक्ष श्री नेमीचन्दजी कावड़िया, मंत्री श्री विजयकांतजी खटेड़, तेयुप उधना के अध्यक्ष श्री सुभाषजी चपलोत, मंत्री श्री अनिलजी चोरड़िया एवं समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन म.मं. मंत्री श्रीमती जशु बाफना ने किया।

बढ़ते कदम

जयपुर (सी-स्कीम)- आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के 99वें जन्मदिवस पर तेरापंथ महिला मंडल जयपुर (सी स्कीम)ने आचार्य महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल जयपुर में आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तंभ का अनावरण श्रद्धेय शासन स्तंभ मंत्री मुनि प्रवर के मंगल पाठ के साथ किया। मंडल की बहनो द्वारा मंगलाचरण किया गया एवं मंत्री श्रीमती कनक दुधोडिया ने सभी का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। स्कूल के प्रिंसिपल ने मंडल को धन्यवाद देते हुए कहा आपने स्कूल में ''कन्या सुरक्षा स्तंभ'' बनाकर सराहनीय कार्य किया है। ये हमे हर क्षण जागरूक करेगा एवं यहां आने वाले सभी अभिभावकों को प्रेरित करता रहेगा कि हमे कन्याओं की सुरक्षा करनी है। कार्यक्रम में सभा अध्यक्ष श्रीमान ओमप्रकाश जी जैन, मंत्री श्री राजेन्द्रजी बांठिया, युवक परिषद अध्यक्ष श्री संजीवजी कोठारी, **T.P.F.** के अध्यक्ष श्री अशोकजी बांठिया, राष्ट्रीय सहमंत्री विजयलक्ष्मी जी भूरा, सी-स्कीम महिला मंडल उपाध्यक्ष प्रेमजी दुगड़, मंत्री कनकजी दुधोडिया,कोषाध्यक्ष ललिताजी रायजादा, मंडल की पदाधिकारी बहने एवं स्कूल के प्रिंसिपल की गरिमामयी उपस्तिथि के साथ मंडल की बहनों की भी अच्छी संख्या में उपस्थिति रही।

महामंत्री की उपस्थिति में ''करें लक्ष्य का दिशाज्ञान'' कार्यशाला

सूरत-आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या शासन श्री साध्वी श्री सरस्वतीजी के सान्निध्य में अ.भा.ते.म.मं. द्वारा निर्देशित कार्यशाला ''करें लक्ष्य का दिशाज्ञान'' का आयोजन तेरापंथ महिला मंडल, सूरत द्वारा किया गया। महामंत्रोच्चार व महिला मंडल के मंगल संगान से प्रारम्भ हुए कार्यक्रम में शासनश्री साध्वीश्री सरस्वती जी ने प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि लक्ष्य का केवल निर्धारण करने से मंजिल प्राप्त नहीं होगी अपितु उसे प्राप्त करने के लिए एकलव्य और अर्जुन जैसा संकल्प, लगन और गुरु निष्ठा अनिवार्य है। महामंत्री के लिए विशेष कहा कि नीलम एक कीमती व मूल्यवान रत्न है जो चारों ओर अपनी रोशनी बिखेरता है वैसे ही नीलम भी अपने कार्यों से चारों ओर जागरूकता की रोशनी फैला रही है। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए विषय प्रस्तुति में कहा कि प्रत्येक बीज में वटवृक्ष बनने की क्षमता है, प्रत्येक ईंट में इमारत बनने की क्षमता है। हमें भी अपनी रूचि और क्षमताओं को पहचान लक्ष्य का निर्धारण करना होगा।

कार्यशाला में राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया, रा.का.स. श्रीमती निधी सेखानी ने भी अपने विचार रखे। सूरत महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुनीता ने स्वागत वक्तव्य दिया। कन्या मंडल ने गीतिका व लघु नाटिका की प्रस्तुति दी। कुशल संचालन मंत्री श्रीमती संगीता सिसोदिया ने किया। सूरत मंडल की जागरूक व सक्रिय बहनों की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही।

पर्वत पाटिया (सूरत)-अ.भा.ते.म.मं. द्वारा निर्देशित ''करें लक्ष्य का दिशाज्ञान'' कार्यशाला का आयोजन शासनश्री साध्वीश्री शिवमालाजी के सान्निध्य में राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया की उपस्थिति में पर्वत पाटिया महिला मंडल द्वारा आयोजित किया गया। महामंत्रोच्चार व मंगल संगान से प्रारम्भ हुई कार्यशाला में महामंत्री ने कहा कि पर्वत पाटिया मंडल अभी बाल्यावस्था में है क्योंकि 2 वर्ष पूर्व ही इसका गठन हुआ है। साध्वीश्रीजी से सिंचन पाकर गति प्रगति करते हुए आगे बढ़ना है। कार्यकर्ता बिना पद के मोह से कार्य करते हुए मंडल को प्रगति के पथ पर ले जाये। साध्वीश्रीजी ने प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि व्यक्ति को आगे बढ़ने से पहले किस दिशा में बढ़ना है यह निश्चित करना जरूरी है। लक्ष्य निर्धारण कर के ही व्यक्ति उसकी तरफ जाने वाले मार्ग को ढूंढ़ पायेगा। कार्यक्रम में पर्वत पाटिया महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मनोज गंग ने सभी का स्वागत किया। तेयुप अध्यक्ष श्री कुलदीप जी कोठारी ने भी अपने विचार रखे। मंत्री श्रीमती चंद्रकला कोठारी ने आभार ज्ञापन किया व कुशल संचालन श्रीमती रेखा रांका ने किया।

संगठन यात्रा

बैंगलूर – बैंगलूरु का सुहाना मौसम अपने प्राकृति सौन्दर्य पर और अधिक इठला उठा जब सम्पूर्ण तेरापंथ महिला समाज की नेतृत्व शक्ति श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं श्रीमती नीलम सेठिया ने कर्नाटक की राजधानी बैंगलूरू की धरा पर पांव धरे। परिसीमन के अन्तर्गत परिसीमित बैंगलोर के सात महिला मंडलों के अध्यक्ष, मन्त्रियों ने एक साथ मिलकर अपनी प्रिय राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री का बड़े ही जोशीले अन्दाज में अभिनन्दन मांगलिक चिन्हों एवं गीतों के स्वर लहरियों के साथ किया।

स्वागत अभिनन्दन की सौगातों के साथ राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती शशि नाहर के निवास स्थान पर ''उन्नति'' के बिरवा को सिंचन देते हुए अध्यक्ष महामंत्री ने तिलक लगाकर नवगठित महिला मंडल की शक्ति को नये जोश से भर दिया। तत्पश्चात् संस्था संचालन, संविधान, चुनाव, परिसीमन के दायरे से सम्बन्धित सभी विषयों को छूते हुए गंभीर एवं सटीक प्रशिक्षण अध्यक्ष एवं महामंत्री ने अपने-अपने वक्तव्य में दिया। पद लिप्सा से दूर रहकर अध्यात्म से परिपूर्ण श्रावक कार्यकर्ता बनने के संकल्प के साथ समागत पदाधिकारियों की सम्पूर्ण जिज्ञासाओं का समाधान अध्यक्ष व महामंत्री द्वारा दिया गया। जिसे पाकर सभी आश्वस्त हुये। कर्नाटक स्तरीय महिला व युवती सम्मेलन की आयोजन की पूर्व प्रारूप पर चिन्तन किया गया। पूर्व महामंत्री श्रीमती वीणा बैद ने इसकी सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की। इस सम्मेलन को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गुरु पदार्पण से पूर्व महिला शक्ति जागरण का शंखनाद बताया। रा.का.स. श्रीमती सरला श्रीमाल ने आभार ज्ञापित किया। परिसीमन के पश्चात् बैंगलोर में राष्ट्रीय नेतृत्व का यह प्रथम आगमन एवं उनसे आपसी चर्चा समाधान के सुखद वातावरण को सरसा गया। बैंगलोर तेरापंथ महिला मंडल, गांधीनगर, विजय नगर, राजाजी नगर, राजराजेश्वरी नगर, टी.वासर छल्ली, हनुमन्त नगर, यशवन्त पुर के समवेत स्वर प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रीय नेतृत्व को उन्नति का विश्वास दिला रहे थे।

कार्यक्रम के पश्चात् बैंगलोर में गांधीनगर में विराजित शासन गौरव साध्वी श्री कंचनप्रभाजी ठाणा-5, विजयनगर में साध्वीश्री मधुस्मिता जी ठाणा-6 व यशवन्तपुर में मुनि श्री रंजीत कुमारजी, रमेश कुमारजी के दर्शन सेवा का लाभ लेकर उनके आशीर्वादों से अपनी झोली भरकर बैंगलोर से चैन्नई की ओर गुरु दर्शन हेतु प्रस्थान किया।

ज्ञातव्य है कि इस टाइट शिड्यूल में भी शनिवार की सामायिक साधना का क्रम भी बराबर जारी रहा।

जसोल -पचपदरा – शासनश्री साध्वीश्री रामकुमारीजी के सान्निध्य मे अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती कुमद कच्छारा, ट्रस्टी श्रीमती सौभागजी बैद, श्रीमती प्रियंका जैन, सहमंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा व जोधपुर संभाग के प्रभारी श्रीमती चन्दा कोठारी की गरिमामयी उपस्थिति मे राजस्थान के जसोल व पचपदरा क्षेत्र की संगठन यात्रा आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से की गई, प्रेरणा गीत के मधुर संगान से मंगलाचरण किया गया। श्रीमती ललिता मेहता ने राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूरी राष्ट्रीय टीम का स्वागत किया। महासभा के उपाध्यक्ष श्रीमान गौतमजी सालेचा व सभा के अध्यक्ष श्रीमान् डूंगरचन्दजी सालेचा ने भी अपनी ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष व उनकी पूरी टीम का स्वागत किया ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं भी मुख्य मुनि महावीर मुनि के दीक्षा की साक्षी बनी थी। जसोल गांव तप, जप, त्याग में आगे है । व्यक्ति हमेशा छोटे-छोटे त्याग कर अपने सम्यकत्व को सुरक्षित रखे। उसे और ज्यादा पुष्ट करे। कन्या सुरक्षा सर्किल व फिजियोथेरेपी सेंटर बनाने हेतु आह्वान किया तथा **On line personality Development** कोर्स से जुडने की प्रेरणा दी। संस्था की चारों योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए संगठन की शक्ति ही उन्नति की नींव है ये बताया। शासनश्री साध्वी रामकुमारीजी ने अपने वक्तव्य में कहा कि महिला विकास का जो सपना आचार्य तुलसी ने खुली आँखों से देखा वह सपना पूरा हो रहा है। संस्था नित नए आयामों से महिलाओं के विकास के लिए कार्य कर रही है। आभार ज्ञापन प्रचार प्रसार मंत्री शशिकला छाजेड ने किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सितम्बर 2018

सन्दर्भ ग्रंथ : तेरापंथ प्रबोध 101 से 125 पद्य अर्थ सहित
तेरापंथ का इतिहास पृष्ठ संख्या 221 से 237 तक (अग्नि समर्पित से लेकर शिष्य सम्पदा तक)

अ. हमारी जोड़ी बनाइये (नीचे लिखे उत्तर से) :-

1. धम्म जागरणा का प्रारंभ कब हुआ?
2. स्वामीजी जयपुर कब पधारे थे?
3. जयाचार्य का जन्म संवत।
4. तेरापंथ का द्विशताब्दी वर्ष कब था?
5. आचार्य माणकगणी का देवलोक गमन कब व कहाँ हुआ?
6. जयाचार्य आचार्य पद पर कब पदासीन हुए?
7. गंगापुर के जीवोजी को कब व किसने दीक्षा दी?
8. आचार्य श्री तुलसी के सान्निध्य में वह चरमोत्सव का कार्यक्रम जिसमें अध्यक्षता राष्ट्रपति ज्ञानी जेलसिंह ने की।
9. जैन विश्व भारती की स्थापना कब व कहाँ हुई?
10. ऋषिराय का स्वर्गवास कब व कहाँ हुआ?
11. समण श्रेणी की स्थापना कब व कहाँ हुई?
12. आचार्य श्री भारमलजी उदयपुर कब पधारे?
13. स्वामीजी ने पादू चतुर्मास कब किया?
    (वि.स. 1860, वि.सं. 1954 सुजानगढ़, सन् 1980, वि.सं. 1908 माघ कृष्णा चतुर्दशी, वि.सं. 1848 फाल्गुन मास, सन् 1970 लाडनूं, वि.सं. 2017, वि. सं. 1876, वि.सं. 2039 भाद्र शुक्ला 13, वि.स. 1877 मुनि स्वरूप चंदजी, वि.सं. 1837, वि.सं. 1908 माघ पूर्णिमा, वि.सं. 2046 आषाढ़ी पूर्णिमा)

ब. आचार्य तुलसी की अंतरंग परिषद् के सदस्य? उत्तर तीन (म) से

स. आचार्य रायचंदजी के लिए तीन सम्बोधन।

द. बन्धु त्रिपुटी अर्थात्?

य. मेरा करो अंकों में समाधान

1. स्वामीजी के अंतिम दर्शन के लिए ..... गाँवों के लोग एकत्रित हुए।
2. आचार्य श्री तुलसी ने ..... वर्ष की अवस्था में तेरापंथ प्रबोध की रचना की।
3. आचार्य श्री कालूगणी के शासन काल में ..... दीक्षाएँ हुई।
4. स्वामीजी की शोभा यात्रा में लगभग ..... रूपयों की उछाल की गई।
5. राणावास से सिरियारी की दूरी ..... कि.मी. है।
6. स्वामीजी ने तेरापंथ के आचार्य के रूप में ..... चातुर्मास किए।
7. आचार्य श्री भारमलजी ने ..... वर्षों तक आचार्य पद का दायित्व संभाला।
8. स्वामीजी के शासन काल में ..... दीक्षाएँ हुई।
9. वि.स. 2039 के चरमोत्सव में ..... व्यक्तियों ने स्वामीजी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।
10. जैन विश्व भारती में ..... सकार एक साथ प्रभावशाली है।

नोट : उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम पता एवं फोन नं. अवश्य लिखें।
उत्तर महिने की 25 तारीख तक श्रीमती रमन पटावरी के पते पर अवश्य पहुँच जाए।
उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं साफ लिखें।
प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही दें।

श्रीमती रमन पटावरी
SILVER SPRING,
JBS 5 HALDEN AVENUE,
BLOCK - 1, 17-C, KOLKATA - 700105
मोबाईल : 9903518222 / 033-40620395
ई-मेल : raman.patawari@gmail.com

अगस्त माह के प्रश्नों के उत्तर

अ. सही शब्द :

1. राजनीतिक
2. मानसिंह जी
3. इन्द्र
4. हुकमचंदजी आछा
5. आसक्ति
6. निर्जल
7. भक्त

ब. जोड़ी मिलाओ :

1. सुशोभित होना
2. दिलगीर
3. यति हुलासचंदजी
4. वृक्ष
5. याद करना
6. भाग्यशाली
7. बात
8. बैकुण्ठी
9. बरतारो
10. ढेर

स. यक्ष ने कहा – मैं महाविदेह क्षेत्र में सीमंधर स्वामी के समवसरण में गया था। आज वहाँ भीखणजी भगवान के दर्शन करने आए थे। उनका उत्सव देखने में समय लग जाने से विलम्ब हो गया।

द. स्वामीजी ने कहा भारीमलजी को निश्चिन्त जीवन जीने का मौका मिला है और आगे भी मिलता रहेगा। अब तक इनको किसी बात की चिन्ता नहीं रही क्योंकि सारे काम मैं कर रहा हूँ। आगे भी चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारीमालजी को तो गरम हवा भी नहीं लगेगी।

मई माह की प्रश्नोत्तरी के 10 भाग्यशाली विजेताओं के नाम

1. श्रीमती सुधा मेहता, आमेट
2. श्रीमती बिंदु छाजेड़, गंगाशहर
3. श्रीमती शांति मरोठी, कोयम्बटूर
4. श्रीमती विजयश्री गंग, सिलचर
5. श्रीमती राजुला मादरेचा, राजसमंद
6. श्रीमती सविता बंसल, नाभा
7. श्रीमती ज्योति बांठिया, पीलीबंगा
8. श्रीमती विमला छाजेड़, जयपुर
9. श्रीमती स्नेहलता तलेसरा, नाथद्वारा
10. श्रीमती रजवन्ती देवी मेहता, बालोतरा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

1,00,000	गुप्त अनुदान
21,000	बालोतरा महिला मंडल द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
21,000	पूना महिला मंडल द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
5,100	धूलिया महिला मंडल द्वारा सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

महामंत्री कार्यालय : श्रीमती नीलम सेठिया – 28/1, शिवाया नगर, 4th Cross, रेड्डीयुर, सेलम–636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060 ईमेल neelamsethia@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती सरिता डागा – 45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर – 302 017
मो. : 094133 39841 ईमेल sarita.daga21@gmail.com

नारीलोक हेतु सम्पर्क करें : श्रीमती सौभाग बैद मो. : 080031 31111 श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा मो. : 096199 27369
नारीलोक देखें website : www.abtmm.org